बी.पी.एस.सी.–107

कला स्नातक
राजनीति विज्ञान (आनर्स)
(BAPSH)

सत्रीय कार्य 2021

बी.पी.एस.सी.–107

अंतरराष्ट्रीय संबंध के दृष्टिकोण और विश्व इतिहास
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

राजनीति विज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बी.पी.एस.सी.–107 : अंतरराष्ट्रीय संबंध के दृष्टिकोण और विश्व इतिहास अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

प्रिय छात्र,

इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करने होंगे, जिनके कुल 100 अंक हैं, तथा मूल्यांकन में 30 प्रतिशत वेटेज है। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में बी.पी.एस.सी.–107 अंतरराष्ट्रीय संबंध के दृ ष्टिकोण और विश्व इतिहास अध्यापक जांच सत्रीय कार्य नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलित है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है।

सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ/जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

सत्रीय कार्य-III में संक्षिप्त श्रेणी के प्रश्न हैं। यह प्रश्न व्यक्तियों, लेखन, घटनाओं तथा अवधारणाओं एवं प्रक्रियाओं की स्पष्ट समझ के बारे में प्रासंगिक/सटीक जानकारी को संक्षेप में याद रखने के कौशल को उत्तम बनाने के लिए है।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके कौशल में सुधार होगा; तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में उल्लेख किया गया है आप सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने के योग्य होने के लिए सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत जमा करने होंगें।

यह सत्रीय कार्य जनवरी 2021 सत्र के लिए नामांकित छात्रों के लिए है। इसे 31 अक्टूबर 2021 तक जमा करना होगा। सभी सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करने होंगें।

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र@क्षेत्रीय केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र को सत्रीय कार्य के अंक विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को भेजने होते हैं।

शुभकामनाओं के साथ,

राजनीति विज्ञान संकाय

बी पी एस सी–107 : अंतरराष्ट्रीय संबंध के दृष्टिकोण और विश्व इतिहास
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : बी पी एस सी –107
सत्रीय कार्य कोड : बी पी एस सी–107 ए.एस.टी./टी.एम.ए./2021
पूर्णांक : 100

नोट : इस सत्रीय कार्य के तीन भाग हैं। सभी भाग के प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।

भाग – 1
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. शीत युद्ध के बाद के वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन के विकास में मुख्य प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिये? 20
2. संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख उपलब्धियों और चुनौतियों पर चर्चा करें। 20

भाग – 2
प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. दूसरे विश्व युद्ध के बाद से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुख संरचनात्मक परिवर्तनों का वर्णन करें। 10
4. इटली के फासीवादी दर्शन के मूल तत्व क्या हैं? 10
5. यथार्थवाद और नव–यथार्थवाद के बीच के अंतरों को उजागर करें। 10

भाग – 3
प्रत्येक का लगभग 100 शब्दों में उत्तर दीजिए।

6. समालोचनात्मक सिद्धांत (Critical Theory) की मुख्य विषेशताओं का वर्णन कीजिये । 6
7. यूरोकेन्द्रीयता (Eurocentrism) 6
8. प्रथम विश्व युद्ध में भारत का योगदान 6
9. विउपनिवेशीकरण (Decolonisation) पर शीत युद्ध का प्रभाव 6
10. यथार्थवाद की नारीवादी आलोचना 6

,,,